चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 23 जून 2026, अंक –294.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

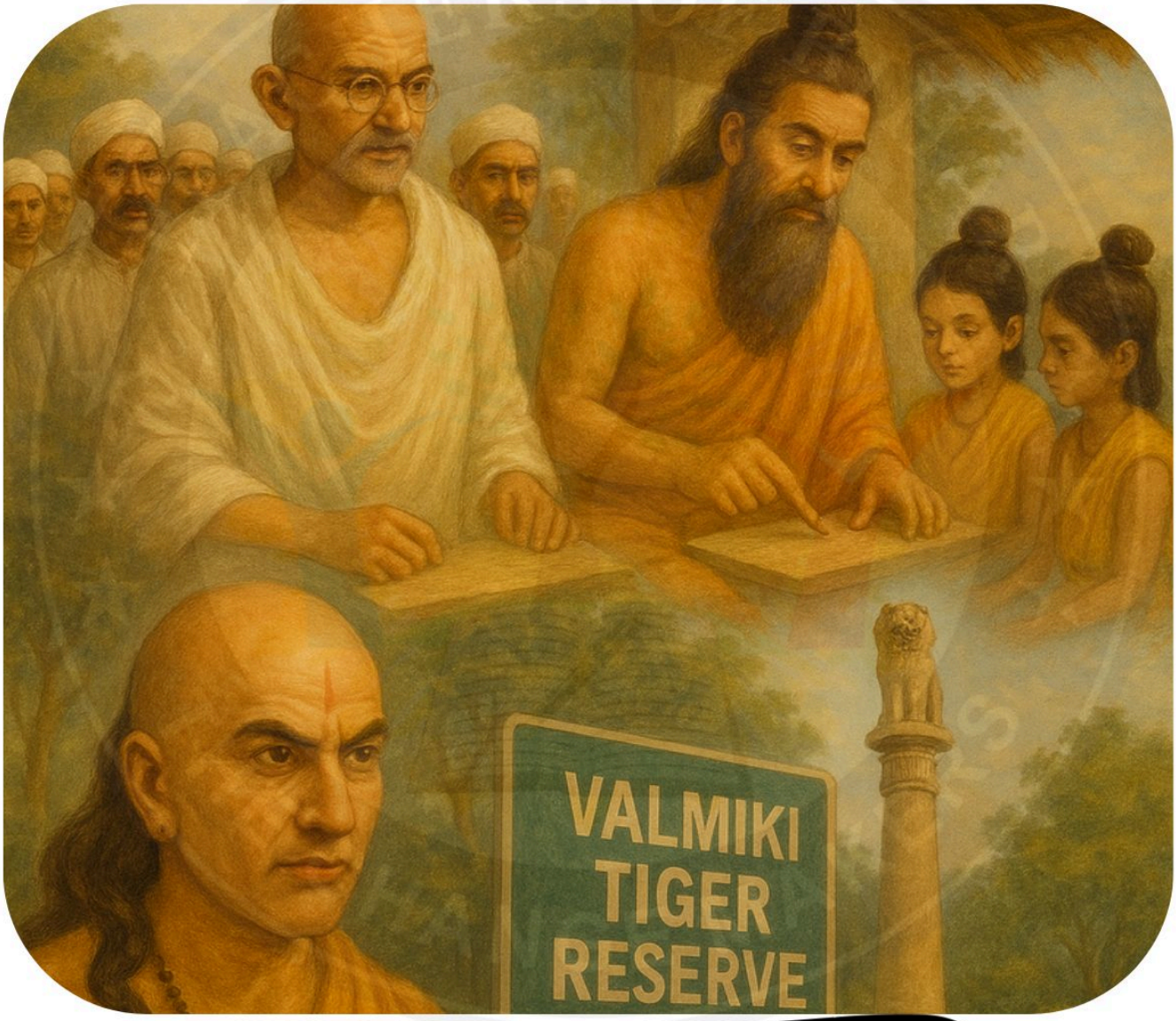

"परिस्थितियाँ मनुष्य को नहीं बनातीं, वे उसे खुद से मिलवाती हैं।"

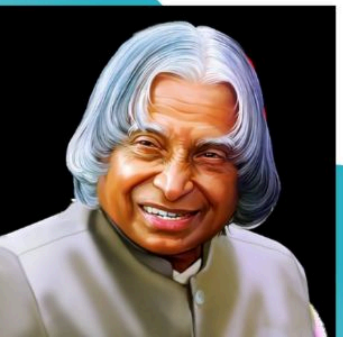

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मिस्र (Egypt) की राजधानी क्या है?
उत्तर: काहिरा
प्रश्न 2. भारत का राष्ट्रीय पक्षी कौन-सा है?
उत्तर: मोर
प्रश्न 3. 'लोसांग' उत्सव भारत के किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: सिक्किम
प्रश्न 4. 15 और 20 का लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) क्या है?
उत्तर: 60
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में 'केसरिया स्तूप' स्थित है?
उत्तर: पूर्वी चंपारण
प्रश्न 6. पेरियार राष्ट्रीय उद्यान किस जीव-जंतु के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: हाथी
प्रश्न 7. रेडियो का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: गुग्लिएल्मो मार्कोनी
प्रश्न 8. भारत के संविधान में समानता का अधिकार किन अनुच्छेदों में दिया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 14–18
प्रश्न 9. 'आकाश' शब्द का पर्यायवाची क्या है?
उत्तर: नभ
प्रश्न 10. मानव शरीर में श्वसन का मुख्य अंग कौन-सा है?
उत्तर: फेफड़े

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Kitchenware – (किचनवेयर) – रसोई के बर्तन
Pan – (पैन) – कड़ाही / तवा
Knife – (नाइफ) – चाकू
Tray – (ट्रे) – थाली / परोसने की तश्तरी
Jar – (जार) – मर्तबान / डिब्बा
Bottlecap – (बॉटलकैप) – बोतल का ढक्कन
Napkin – (नैपकिन) – रुमाल / नैपकिन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "मैं ... सकता/सकती हूँ" (I can ...)

मैं पढ़ सकता/सकती हूँ। – I can read.
मैं लिख सकता/सकती हूँ। – I can write.
मैं खेल सकता/सकती हूँ। – I can play.
मैं गा सकता/सकती हूँ। – I can sing.
मैं अंग्रेज़ी बोल सकता/सकती हूँ। – I can speak English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रत्येक वर्ष 23 जून को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस किस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में मनाया जाता है?
उत्तर: आधुनिक ओलंपिक की स्थापना
व्याख्या: 23 जून 1894 को पेरिस में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) की स्थापना पियरे डी कूबर्टिन द्वारा की गई थी, जिसके उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 23 जून को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस खेल, स्वास्थ्य और सद्भाव की त्रिसूत्री को बढ़ावा देता है। पहला आधुनिक ओलंपिक खेल 1896 में एथेंस, यूनान में आयोजित हुआ था। IOC का मुख्यालय लॉज़ेन (स्विट्ज़रलैंड) में है। भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) की स्थापना 1927 में हुई थी। UPSC एवं BPSC परीक्षाओं में इस दिवस से संबंधित प्रश्न प्रायः पूछे जाते हैं।
संदर्भ: अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति आधिकारिक पोर्टल: olympics.com; महत्वपूर्ण दिवस सूची — दृष्टि IAS करेंट अफेयर्स 2026

प्र.2. 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत का 100वाँ रामसर स्थल घोषित किया गया — वह स्थल कहाँ स्थित है?
उत्तर: बलिया, उत्तर प्रदेश
व्याख्या: 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में स्थित जय प्रकाश नारायण पक्षी विहार (सुरहा ताल) को भारत का 100वाँ रामसर स्थल घोषित किया। यह उत्तर प्रदेश का 13वाँ रामसर स्थल है। सुरहा ताल गंगा नदी बेसिन में स्थित एक प्राकृतिक ऑक्सबो झील है, जिसे 1991 में पक्षी विहार घोषित किया गया था। भारत अब एशिया में सर्वाधिक रामसर स्थलों वाला देश बन गया है तथा वैश्विक स्तर पर यूके (176) और मैक्सिको (144) के बाद तीसरे स्थान पर है। रामसर कन्वेंशन 1971 में ईरान के रामसर शहर में हस्ताक्षरित हुई थी।
संदर्भ: PIB (Press Information Bureau) प्रेस विज्ञप्ति, 5 जून 2026; Drishti IAS Daily Current

प्र.3. "इंडिया आफ्टर गाँधी" पुस्तक के लेखक कौन हैं?
उत्तर: रामचन्द्र गुहा
व्याख्या: "इंडिया आफ्टर गाँधी: द हिस्ट्री ऑफ द वर्ल्ड्स लार्जेस्ट डेमोक्रेसी" इतिहासकार और विद्वान रामचन्द्र गुहा द्वारा लिखित एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कृति है। यह पुस्तक 2007 में प्रकाशित हुई और स्वतंत्रता के बाद से भारत के राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करती है। गुहा इससे पूर्व "कॉर्नर ऑफ ए फॉरेन फील्ड" जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकें भी लिख चुके हैं। UPSC और राज्य PCS परीक्षाओं में पुस्तक एवं लेखक संबंधी प्रश्नों में यह कृति प्रमुखता से उल्लिखित होती है।
संदर्भ: रामचन्द्र गुहा — "इंडिया आफ्टर गाँधी", प्रकाशक: Picador/HarperCollins, 2007; UPSC सामान्य अध्ययन पुस्तक सूची

प्र.4. वह कौन सी प्रक्रिया है जिसके द्वारा वायु में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा पृथ्वी के तापमान में वृद्धि का कारण बनती है?
उत्तर: हरितगृह प्रभाव
व्याख्या: हरितगृह प्रभाव (Greenhouse Effect) वह प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसमें पृथ्वी के वायुमंडल में उपस्थित कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), मीथेन (CH_4), नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O) जैसी गैसें सूर्य की ऊष्मा को पृथ्वी की सतह पर रोककर रखती हैं। इससे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता है, जिसे भूमंडलीय तापन या ग्लोबल वॉर्मिंग कहते हैं। मानवीय गतिविधियाँ जैसे जीवाश्म ईंधन का दहन, वनों की कटाई इस प्रभाव को तीव्र कर रही हैं। IPCC (Intergovernmental Panel on Climate Change) इस समस्या पर वैश्विक रूप से कार्य करती है।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 8, अध्याय 18 — "वायु तथा जल का प्रदूषण", पृष्ठ 215-218; NCERT पर्यावरण अध्ययन, कक्षा 7

प्र.5. 1757 में प्लासी की लड़ाई में अंग्रेजों ने किस बंगाल के नवाब को पराजित किया था?
उत्तर: सिराजुद्दौला
व्याख्या: 23 जून 1757 को प्लासी (पलाशी) के युद्ध में ईस्ट इंडिया कंपनी के रॉबर्ट क्लाइव ने बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला को पराजित किया। यह युद्ध भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव रखने वाला निर्णायक युद्ध माना जाता है। सिराजुद्दौला के सेनापति मीर जाफर की विश्वासघाती भूमिका ने अंग्रेजों की जीत सुनिश्चित की। इस युद्ध के बाद मीर जाफर को बंगाल का नवाब बनाया गया और कंपनी को व्यापार में असीमित सुविधाएँ मिलीं। यह घटना 23 जून को घटित हुई, जो इस अंक की तिथि के साथ ऐतिहासिक रूप से मेल खाती है।
संदर्भ: NCERT इतिहास, कक्षा 8 — "हमारे अतीत-III", अध्याय 2 — "व्यापार से साम्राज्य तक: कंपनी की सत्ता स्थापित होती है", पृष्ठ 18-20

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में काली मिट्टी (रेगुर मिट्टी) का सर्वाधिक विस्तार किस फसल की खेती के लिए उपयुक्त है?
उत्तर: कपास
व्याख्या: काली मिट्टी जिसे रेगुर मिट्टी या "कपास की मिट्टी" भी कहते हैं, मुख्यतः महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में पाई जाती है। यह लावा (बेसाल्ट) के अपघटन से निर्मित होती है। इस मिट्टी में नमी धारण करने की अत्यधिक क्षमता होती है, इसीलिए यह कपास की खेती के लिए सर्वोत्तम मानी जाती है। इसमें लौह, चूना, मैग्नीशियम जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में होते हैं किंतु नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं जैव पदार्थों की कमी होती है। NCERT भूगोल में इसे प्रमुख मृदा प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है।
संदर्भ: NCERT भूगोल, कक्षा 10 — "समकालीन भारत-II", अध्याय 1 — "संसाधन एवं विकास", पृष्ठ 7-10

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद 14 वर्ष से कम आयु के बालकों को कारखानों एवं खतरनाक कार्यों में नियोजित करने पर प्रतिबंध लगाता है?
उत्तर: अनुच्छेद 24
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 24 बाल श्रम निषेध से संबंधित है। यह मौलिक अधिकारों के अंतर्गत भाग-3 में आता है और स्पष्ट करता है कि 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बालक को किसी कारखाने, खान या अन्य खतरनाक कार्य में नियोजित नहीं किया जा सकता। इस प्रावधान को बाल अधिकारों की संवैधानिक गारंटी माना जाता है। इसके अतिरिक्त बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 भी बाल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
संदर्भ: NCERT नागरिक शास्त्र, कक्षा 9 — "लोकतांत्रिक राजनीति-1", अध्याय 5 — "संस्थाओं का कामकाज"; भारत का संविधान — अनुच्छेद 24

प्र.8. मानव शरीर की कौन सी ग्रंथि "मास्टर ग्रंथि" कहलाती है क्योंकि यह अन्य अंतःस्रावी ग्रंथियों के कार्य को नियंत्रित करती है?
उत्तर: पीयूष ग्रंथि
व्याख्या: पीयूष ग्रंथि (Pituitary Gland) को "मास्टर ग्रंथि" कहते हैं क्योंकि यह अन्य सभी अंतःस्रावी ग्रंथियों के हार्मोन स्राव को नियंत्रित करती है। यह मटर के दाने जितनी आकार की ग्रंथि मस्तिष्क के आधार पर हाइपोथैलेमस के नीचे स्थित होती है। इसके दो भाग होते हैं — अग्र पीयूष (Anterior) और पश्च पीयूष (Posterior)। अग्र भाग से वृद्धि हार्मोन (GH), TSH, ACTH जैसे हार्मोन स्रावित होते हैं। ADH (एंटी-डाइयूरेटिक हार्मोन) और ऑक्सीटोसिन पश्च भाग द्वारा स्रावित होते हैं।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 10, अध्याय 7 — "नियंत्रण एवं समन्वय", पृष्ठ 112-114

प्र.9. केरल का कौन सा प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य रूप पूर्णतः पुरुष कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है और रामायण-महाभारत की कथाओं पर आधारित है?
उत्तर: कथकली
व्याख्या: कथकली केरल का सुप्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य नाट्य रूप है जो परंपरागत रूप से पुरुष कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। इसमें विस्तृत मुखसज्जा (मेकअप), रंगीन वेशभूषा और मुद्राओं (हस्तमुद्राओं) के माध्यम से रामायण और महाभारत की कथाएँ प्रस्तुत की जाती हैं। मुख्यतः हरे, लाल, काले और सफेद रंग के मुखौटे विभिन्न पात्रों की प्रकृति को दर्शाते हैं — हरा रंग सात्विक पात्रों के लिए उपयोग किया जाता है। यह नृत्य संगीत नाटक अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की आठ प्रमुख शास्त्रीय नृत्य शैलियों में से एक है।
संदर्भ: NCERT सामाजिक विज्ञान, कक्षा 7 — "हमारा पर्यावरण", अध्याय 9; भारत की सांस्कृतिक विरासत — NCERT कक्षा 11, "भारतीय कला का परिचय"

प्र.10. पश्चिम चंपारण (बिहार) में स्थित किस वन्यजीव अभयारण्य को हाल ही में (2025 में) रामसर स्थल का दर्जा प्राप्त हुआ है?
उत्तर: उदयपुर झील
व्याख्या: उदयपुर झील वन्यजीव अभयारण्य पश्चिम चंपारण जिले, बिहार में स्थित है। सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे बिहार का नया रामसर स्थल घोषित किए जाने की सराहना की। यह झील वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के निकट स्थित है और विभिन्न प्रवासी पक्षियों का आवास स्थल है। बिहार में रामसर स्थलों में कांवर झील (बेगूसराय), काबर झील, नागी-नकटी आदि भी सम्मिलित हैं। फरवरी 2026 तक बिहार के कुछ नए आर्द्रभूमि स्थलों को भी रामसर सूची में सम्मिलित किया गया। यह बिहार की जैवविविधता और पर्यावरण संरक्षण प्रतिबद्धता का प्रमाण है।
संदर्भ: न्यूज ऑन एयर (newsonair.gov.in), 27 सितंबर 2025; BSDMA एवं बिहार

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जून माह के वज्रपात सुरक्षा प्रशिक्षण में बच्चों को सबसे पहले क्या करने का निर्देश दिया जाता है?
उत्तर: सुरक्षित स्थान में जाएँ
व्याख्या: BSDMA (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम में जून माह के वज्रपात (Lightning) सत्र में बच्चों को सिखाया जाता है कि आसमान में गर्जन-तड़ित के संकेत मिलते ही सर्वप्रथम खुले स्थान से हटकर किसी पक्की इमारत के भीतर सुरक्षित स्थान में चले जाएँ। पेड़ के नीचे, खेतों में, ऊँचे स्थानों या जलाशयों के निकट खड़े रहना अत्यंत खतरनाक है। वज्रपात के समय लोहे की वस्तुओं, बिजली के उपकरणों और खिड़कियों से दूर रहने का निर्देश दिया जाता है। बिहार में वज्रपात से प्रतिवर्ष सर्वाधिक मौतें होती हैं, इसीलिए यह विषय विद्यालय सुरक्षा कैलेंडर में प्राथमिकता से सम्मिलित है।
संदर्भ: BSDMA दिशानिर्देश — मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम, वज्रपात सुरक्षा मॉड्यूल; bsdma.org; बिहार आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिक्षक संदर्भ पुस्तिका

प्र.12. मैं बोलता नहीं, पर हर बात कह देता हूँ। मेरे बिना घर में अँधेरा है, पर मैं खुद जलता नहीं। मैं दिन और रात दोनों दिखाता हूँ। मैं क्या हूँ?
उत्तर: दर्पण (आईना)
व्याख्या: यह पहेली तार्किक चिंतन और सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करती है। दर्पण (आईना) एक ऐसी वस्तु है जो स्वयं न तो बोलता है और न ही जलता है, किंतु सामने खड़े व्यक्ति का प्रतिबिम्ब दिखाकर सब कुछ "कह" देता है। यह दिन में प्रकाश में और रात में दीपक या बल्ब की रोशनी में समान रूप से उपयोगी है। विज्ञान की दृष्टि से दर्पण परावर्तन (Reflection) के नियम पर कार्य करता है। समतल दर्पण में बना प्रतिबिम्ब आभासी, सीधा और वस्तु के समान आकार का होता है। यह पहेली बच्चों की अवलोकन शक्ति और तार्किक क्षमता का विकास करती है।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 8, अध्याय 16 — "प्रकाश", पृष्ठ 195-198 (परावर्तन एवं दर्पण); तार्किक पहेली — मानसिक विकास शृंखला

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

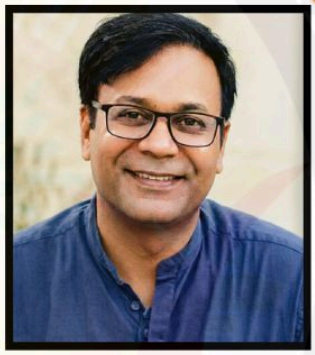

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Unanimous (यूनैनिमस) = Agreeing (अग्रीइंग) = सर्वसम्मत
Antonym – Divided (डिवाइडेड) = विभाजित
Vacant (वेकेंट) = Empty (एम्प्टी) = खाली / रिक्त
Antonym – Occupied (ऑक्युपाइड) = भरा हुआ
Wary (वेरी) = Alert (अलर्ट) = सतर्क
Antonym – Careless (केयरलेस) = लापरवाह
Xenophobic (ज़ेनोफोबिक) = Intolerant (इनटॉलरेंट) = विदेशियों के प्रति असहिष्णु
Antonym – Tolerant (टॉलरेंट) = सहिष्णु
Yearn (यर्न) = Desire (डिज़ायर) = लालसा करना
Antonym – Reject (रिजेक्ट) = अस्वीकार करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Gene 2.0'; Ministry of Health unveils the country's largest Genomic Database to revolutionize personalized medicine.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-जीन 2.0' की शुरुआत की; स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश का सबसे बड़ा 'जीनोमिक डेटाबेस' राष्ट्र को समर्पित किया, जो भारतीय आबादी की आनुवंशिक संरचना के आधार पर सटीक और व्यक्तिगत दवाएं (Personalized Medicine) विकसित करने में मदद करेगा।

Ministry of Heavy Industries announces 'FAME-IV' scheme with a dedicated ₹15,000 Crore subsidy for Solid-State Battery manufacturing.
भारी उद्योग मंत्रालय ने 'फेम-IV' (FAME-IV) योजना की घोषणा की; इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अधिक सुरक्षित और लंबी दूरी तय करने वाली 'सॉलिड-स्टेट बैटरी' के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए ₹15,000 करोड़ की विशेष सब्सिडी आवंटित की गई है।

ISRO successfully tests 'Air-Breathing Propulsion System' for its reusable launch vehicle (RLV) at the Chitradurga Aeronautical Test Range.
इसरो ने चित्रदुर्ग टेस्ट रेंज में अपने पुनर्चक्रण योग्य प्रक्षेपण यान (RLV) के लिए 'एयर-ब्रीदिंग प्रोपल्शन सिस्टम' का सफल उड़ान परीक्षण किया; यह तकनीक वायुमंडल की ऑक्सीजन का उपयोग ईंधन के रूप में करके अंतरिक्ष मिशनों की लागत को बेहद कम कर देगी।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'The Autonomous AI Subsea Treaty' to regulate unmanned maritime defense and deep-sea surveillance drones.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'स्वायत्त एआई उप-समुद्री संधि' पारित की; अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में बिना मानवीय नियंत्रण वाले सैन्य ड्रोन और पनडुब्बियों के संचालन को विनियमित करने तथा समुद्री पारिस्थितिकी को सुरक्षित रखने के लिए नए वैश्विक नियम लागू किए गए।

BBC News: Scientists at Max Planck Institute develop 'Bio-Degradable Microchips' made from cellulose to tackle global e-waste crisis.
बीबीसी न्यूज़: जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने सेल्युलोज (पौधों के रेशों) से 'बायो-डिग्रेडेबल माइक्रोचिप्स' विकसित करने में सफलता पाई; यह तकनीक उपयोग के बाद मिट्टी में पूरी तरह घुल जाएगी, जिससे वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक कचरे की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा।

WHO issues global advisory on 'Synthetic Biology Compliance'; sets strict biosecurity standards for lab-grown viral vectors.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'सिंथेटिक बायोलॉजी' पर नई वैश्विक एडवाइजरी जारी की; इसके तहत दुनिया भर की प्रयोगशालाओं में कृत्रिम रूप से बनाए जाने वाले वायरस और जेनेटिक कंपोनेंट्स के लिए सख्त जैव-सुरक्षा (Biosecurity) मानक अनिवार्य किए गए हैं।

BIHAR NEWS

Bihar Government signs MoU with NDDB to establish East India's first 'Automated Milk-Powder and Value-Added Dairy Hub' in Muzaffarpur.
बिहार सरकार ने मुजफ्फरपुर में पूर्वी भारत का पहला पूरी तरह से स्वचालित 'मिल्क-पाउडर और वैल्यू-एडेड डेयरी हब' स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

SCERT Bihar introduces 'Quantum Computing Foundations' as an elective vocational module for Classes 11 and 12 from the upcoming academic session.
एससीईआरटी बिहार ने आगामी शैक्षणिक सत्र से कक्षा 11 और 12 के छात्रों के लिए 'क्वांटम कंप्यूटिंग फाउंडेशंस' को एक वैकल्पिक व्यावसायिक (Vocational) विषय के रूप में शामिल करने की घोषणा की।

SPORTS NEWS

Indian Grandmaster R Praggnanandhaa wins the 'Zagreb Rapid & Blitz 2026' title; defeats former World Champion in a dramatic tie-break.
भारतीय शतरंज सनसनी आर प्रज्ञानंदा ने ज़ाग्रेब (क्रोएशिया) में आयोजित रैपिड एंड ब्लिट्ज़ 2026 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया; उन्होंने टाई-ब्रेक के अंतिम दौर में पूर्व विश्व चैंपियन को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

International Cycling Union (UCI) introduces 'Smart-Helmet Telemetry' for upcoming World Championships to monitor riders' neurological strain.
अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग संघ ने आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए 'स्मार्ट-हेलमेट टेलीमेट्री' तकनीक को मंजूरी दी; यह हेलमेट रेस के दौरान वास्तविक समय में एथलीटों के मस्तिष्क के तनाव और न्यूरोलॉजिकल डेटा को ट्रैक करेगा ताकि किसी भी दुर्घटना या अत्यधिक थकान की स्थिति में तुरंत सहायता दी जा सके।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ **संदेश:**

"NEWS का मूल उद्देश्य आपको केवल सूचित करना नहीं, बल्कि समय के साथ आपके ज्ञान को अधिक वैज्ञानिक और अद्यतन बनाना है। निरंतर पढ़ते रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

सेवा का असली पुरस्कार

गर्मी की छुट्टियों के बाद विद्यालय खुल चुका था। बच्चे नए उत्साह के साथ विद्यालय आ रहे थे। एक दिन प्रार्थना सभा में मालती मैडम ने बच्चों से पूछा—

"बच्चों, बड़ा होकर तुम क्या बनना चाहते हो?"

किसी ने डॉक्टर, किसी ने शिक्षक, किसी ने पुलिस अधिकारी और किसी ने वैज्ञानिक बनने की इच्छा जताई।

तभी अजय खड़ा हुआ और बोला—

"मैडम, मैं ऐसा काम करना चाहता हूँ जिससे लोग मुझे पहचानें और सम्मान दें।"

मालती मैडम मुस्कुराईं और बोलीं—

"सम्मान पाने का सबसे अच्छा रास्ता है—दूसरों की सेवा करना।"

फिर उन्होंने एक घटना सुनाई।

एक गाँव में बरसात के कारण सड़क टूट गई थी। लोगों को आने-जाने में बहुत परेशानी हो रही थी। विद्यालय जाने वाले बच्चों और अस्पताल जाने वाले मरीजों को भी कठिनाई का सामना करना पड़ता था।

गाँव के एक अधिकारी ने यह समस्या देखी। उन्होंने केवल आदेश देने के बजाय स्वयं गाँव पहुँकर लोगों से बात की। उन्होंने संबंधित विभागों से संपर्क किया और कुछ ही दिनों में सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया।

सड़क बन जाने के बाद बच्चों का विद्यालय जाना आसान हो गया। गाँव के बुजुर्गों ने उस अधिकारी को धन्यवाद दिया।

किसी ने उनसे पूछा—

"आपको इस काम के बदले क्या मिला?"

अधिकारी मुस्कुराए और बोले—

"लोगों के चेहरे पर आई खुशी ही मेरा सबसे बड़ा पुरस्कार है।"

कहानी समाप्त होने पर मालती मैडम ने कहा—

"बच्चों, किसी भी पद की असली पहचान उसके अधिकार से नहीं, बल्कि उसके द्वारा की गई सेवा से होती है।"

अजय ने मन ही मन निश्चय किया कि वह जो भी बनेगा, समाज के लिए उपयोगी बनेगा।

संदेश

"सबसे बड़ा पद वह नहीं, जो अधिकार दे; सबसे बड़ा पद वह है, जो सेवा का अवसर दे।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

परियोजना विधि (Project Method) — कक्षा के ज्ञान को जीवन से जोड़ना

शिक्षक साथियों, प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री विलियम किलपैट्रिक द्वारा प्रतिपादित परियोजना विधि (Project Method) जॉन डीवी के व्यावहारिक दर्शन पर आधारित है। इस विधि का मूल मंत्र है— 'करके सीखना' (Learning by Doing) और 'जीवन के लिए सीखना' (Learning for Life)। एक शिक्षक के रूप में हम अक्सर देखते हैं कि बच्चे उन बातों को जल्दी भूल जाते हैं जो हम उन्हें ब्लैकबोर्ड पर रटाते हैं, लेकिन वे उन अनुभवों को कभी नहीं भूलते जिन्हें वे अपने हाथों से करके सीखते हैं। परियोजना विधि छात्रों को एक उद्देश्यपूर्ण कार्य में लगाती है, जिसे वे वास्तविक सामाजिक परिवेश में रहकर पूरा करते हैं।

इस विधि की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह छात्र-केंद्रित (Student-centered) है। इसमें शिक्षक की भूमिका एक 'तानाशाह' या 'प्रवक्ता' की नहीं होती, बल्कि एक 'सहयोगी मार्गदर्शक' (Facilitator & Friend) की होती है। शिक्षक केवल समस्या या विषय की रूपरेखा तय करने में मदद करता है, जबकि योजना बनाना, जानकारी जुटाना, काम का बंटवारा करना और निष्कर्ष निकालना—यह सब बच्चे स्वयं समूहों में करते हैं। इससे बच्चों में टीम भावना (Collaboration), समालोचनात्मक सोच (Critical Thinking) और नेतृत्व जैसे 21वीं सदी के अनिवार्य कौशलों का विकास होता है।

उदाहरण:

आइए इसे पर्यावरण अध्ययन (EVS) की कक्षा के एक बहुत ही व्यावहारिक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए आपकी कक्षा 5 की किताब में एक पाठ है— 'कचरा प्रबंधन' (Waste Management)।

- पारंपरिक तरीका: आप बच्चों को कॉपी में 'गीला कचरा' और 'सूखा कचरा' की परिभाषा लिखवा दें और वे उसे याद कर लें।
- परियोजना विधि का तरीका: आप पूरी कक्षा को 5-5 बच्चों के समूहों में बांट देते हैं और उन्हें एक प्रोजेक्ट देते हैं— "हमारे स्कूल और घर से निकलने वाले कचरे का लेखा-जोखा।"

अब बच्चे एक हफ्ते तक अपने समूह के साथ मिलकर स्कूल के मध्याह्न भोजन (Mid-day Meal) क्षेत्र और अपने घरों का अवलोकन करेंगे। वे देखेंगे कि रोज़ कितना खाने का सामान बर्बाद होता है और कितना प्लास्टिक निकलता है। वे स्थानीय सफाईकर्मी से बात करके आंकड़े जुटाएंगे। इसके बाद, प्रत्येक समूह एक चार्ट या मॉडल बनाकर कक्षा में प्रस्तुत करेगा कि कैसे रसोई के कचरे से खाद बनाई जा सकती है और प्लास्टिक को दोबारा इस्तेमाल (Recycle) किया जा सकता है।

इस पूरी प्रक्रिया में बच्चों ने गणित (आंकड़े जुटाना), भाषा (साक्षात्कार करना और रिपोर्ट लिखना), विज्ञान (कचरे का अपघटन) और सामाजिक विज्ञान (सामुदायिक जिम्मेदारी) को एक साथ सीख लिया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब वे स्कूल परिसर में कचरा फैलाने से पहले सौ बार सोचेंगे क्योंकि यह ज्ञान उन्होंने खुद प्रयोग करके कमाया है।

शिक्षक साथियों, परियोजना विधि का उपयोग करते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि प्रोजेक्ट बहुत अधिक खर्चीले या कठिन न हों। हमें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध बेकार सामग्रियों (कबाड़ से जुगाड़) और घरेलू संसाधनों का ही उपयोग करने के लिए बच्चों को प्रेरित करना चाहिए। मूल्यांकन के समय भी हमें केवल अंतिम प्रोजेक्ट रिपोर्ट को नहीं देखना है, बल्कि यह देखना है कि हर बच्चे ने समूह में काम करते समय कितनी जिम्मेदारी निभाई और समस्याओं का सामना कैसे किया।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें अपनी कक्षाओं को 'किताबों की कैद' से आज़ाद करना होगा। जब बच्चे स्कूल के ज्ञान का उपयोग समाज की किसी छोटी सी समस्या को सुलझाने में करते हैं, तभी शिक्षा सार्थक बनती है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपके पास कोई ऐसा छोटा सा टॉपिक है जिसे आप कल एक 'मिनी-प्रोजेक्ट' के रूप में बच्चों को दे सकते हैं?

.....✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : शिवहर, अंक–3"

देवकुली धाम का शिवत्व, ग्रामीण आर्थिकी और लघु उद्योग की नई करवट

'संपादकीय' ✍️

शिवहर की सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का हृदय यहाँ के ऐतिहासिक और पौराणिक मंदिरों में धड़कता है, जिसमें देवकुली धाम (देकुली) का स्थान सर्वोपरि है। जिला मुख्यालय से मात्र कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह अत्यंत प्राचीन शिवालय न केवल उत्तर बिहार बल्कि नेपाल के श्रद्धालुओं के लिए भी अगाध श्रद्धा का केंद्र है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत काल में राजा द्रुपद की नगरी यही थी और यहाँ स्थित शिवलिंग की स्थापना स्वयं पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान की थी; यही वह भूमि है जहाँ माता द्रौपदी का स्वयंवर और ऐतिहासिक 'यज्ञ' संपन्न हुआ था। सावन के महीने और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहाँ उमड़ने वाला लाखों भक्तों का जनसैलाब इस छोटे से जिले को एक वृहद सांस्कृतिक मंच प्रदान करता है। देवकुली धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि यह प्राचीन मिथिला की स्थापत्य कला और जल प्रबंधन (यहाँ का विशाल पौराणिक पोखरा) का एक उत्कृष्ट पुरातात्विक साक्ष्य है।

आर्थिक मोर्चे पर शिवहर बुनियादी रूप से एक शुद्ध ग्रामीण और कृषि-निर्भर जिला है। यहाँ की आर्थिक धड़कनें पूरी तरह से स्थानीय मंडियों और फसलों के चक्र पर टिकी हैं। शिवहर शहर का 'मेन रोड बाजार', पिपराही का 'हाट' और तरियानी का 'सब्जी बाजार' इस लघु अर्थव्यवस्था के मुख्य व्यावसायिक केंद्र हैं। चूंकि यहाँ कोई बड़ी भारी औद्योगिक इकाई नहीं है, इसलिए यहाँ की आर्थिकी 'सूक्ष्म एवं कुटीर उद्योगों' (MSME) पर निर्भर है। तरियानी और पुरनहिया के गांवों में बांस की प्रचुर उपलब्धता के कारण बांस-शिल्प (Bamboo Craft) का एक बड़ा घरेलू नेटवर्क काम करता है, जिसके द्वारा निर्मित सूप, डलिया और सजावटी सामान मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी के बाजारों में थोक भाव में बेचे जाते हैं। इसके अतिरिक्त, स्थानीय स्तर पर तेल पेराई (सोनबरसा बेल्ट के सरसों से) और चूहों व चिड़ियों से बचाव के लिए बनने वाले कृषि उपकरणों का निर्माण यहाँ का पारंपरिक घरेलू व्यवसाय है।

शिवहर की आर्थिकी में हाल के वर्षों में महिलाओं के 'जीविका' क्लस्टर्स और स्वयं सहायता समूहों ने एक मूक क्रांति की है। पिपराही और तरियानी प्रखंड की ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे रेडीमेड गारमेंट्स, अगरबत्ती और स्थानीय स्तर पर पैक किए जाने वाले मसालों ने स्थानीय हाट-बाजारों में अपनी पैठ बनाई है। कृषि के क्षेत्र में, बागमती के किनारे होने वाली हरी मिर्च और परवल की बेजोड़ खेती यहाँ के किसानों के लिए एटीएम (ATM) की तरह काम करती है। मानसून के बाद जब बागमती शांत होती है, तो इसके कछारों (Diara Land) में तरबूज, खरबूजा और ककड़ी की बड़े पैमाने पर खेती होती है, जो गर्मी के दिनों में पूरे तिरहुत प्रमंडल की मांग को पूरा करती है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो शिवहर में 'एग्रो-प्रोसेसिंग' (कृषि-प्रसंस्करण) और बेलवा डैम पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। बेलवा बराज परियोजना के पूर्ण होने से जहाँ एक ओर बाढ़ की तबाही थमेगी, वहीं दूसरी ओर इस जलाशय के आसपास 'वाटर टूरिज्म' और मछली पालन का एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का हब विकसित किया जा सकता है। शिवहर में पैदा होने वाली उच्च गुणवत्ता वाली मिर्च और दलहन के लिए यदि छोटी ग्रेडिंग और पैकेजिंग यूनिट्स स्थापित की जाएं, तो यहाँ के किसानों को सीधे पटना और दिल्ली के बाजारों से जोड़ा जा सकता है। साथ ही, देवकुली धाम को 'महाभारत सर्किट' से जोड़कर इस लघु जिले की अर्थव्यवस्था में 'धार्मिक पर्यटन' का एक नया अध्याय जोड़ा जा सकता है।

अंततः, शिवहर का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि आकार की लघुता कभी भी विकास और हौसलों में बाधक नहीं हो सकती। देवकुली धाम के घंटों की गूँज से लेकर तरियानी की मिर्च मंडियों की हलचल तक, और बागमती की विभीषिका से लड़ते किसानों से लेकर आत्मनिर्भर बनती जीविका दीदियों तक—शिवहर अपनी एक स्वतंत्र और मजबूत पहचान गढ़ चुका है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस छोटे जिले के कुटीर उद्योग, बाढ़-उत्तर कृषि (Diara Cultivation) और बेलवा परियोजना के आर्थिक प्रभावों का यह प्रामाणिक अध्ययन यह समझने की दृष्टि देता है कि कैसे सीमित संसाधनों और न्यूनतम भूगोल के बावजूद भी एक समाज अपनी आत्मनिर्भरता का रास्ता खुद तैयार कर सकता है। .....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org